## वार्तालाप-594, गीज़िंग (नेपाल), दिनांक 04.07.08 Disc.CD No.594, dated 04.07.08 at Gezing (Nepal) Extracts-Part-1

समयः 04.10-05.25

जिज्ञासुः बाबा, ये जो वैष्णव सम्प्रदाय है ना उसमें जब गुरु मंत्र देते हैं तो वो लोहे का एक होता है, त्रिशूल का चिन्ह होता है, जैसे शंख का चिन्ह होता है ना , वो गरम करके फिर यहाँ छापा लगाते हैं। उसका बेहद में क्या अर्थ है?

बाबाः बेहद में छापा लगाते हैं।

जिज्ञासुः नहीं, नहीं। क्या अर्थ है वो पूछ रहे हैं।

**बाबा**: शंख का? जिज्ञास्: त्रिशूल का।

बाबाः हाँ। त्रिशूल तो वास्तव में ब्रह्मा, विष्णु, शंकर की छाप लग जानी चाहिए। जिसकी बुद्धि में ब्रह्मा कौन है, विष्णु का पार्टधारी कौन है, शंकर का पार्टधारी इस संसार में कौन है। ये तीन पात्रधारी कौन है जिन्होंने संसार के ऊपर विजय प्राप्त की है। जिनकी यादगार में हमारा तिरंगा झण्डा बना हुआ है। विजयी विश्व तिरंगा प्यारा। विश्व विजय करके दिखलावे। ये छाप बुद्धि में लगनी चाहिए कि नहीं? (जिज्ञासु: लगनी चाहिये।) तो वो स्थूल रूप में छाप लगा देते हैं। लेकिन लगनी कहाँ चाहिए? (जिज्ञासु - स्मृति में।) हाँ।

Time: 04.10-05.25

**Student:** Baba, when the people of the Vaishnavite community are given *guru mantra*, they heat up the symbol of the trident (*Trishul*) just like there is a symbol of the conch (*shankh*) made up of iron and press it here (on the body). What does it mean in an unlimited sense?

**Baba:** They make an impression in an unlimited sense.

Student: No, no. He is asking its meaning.

**Baba**: Of the conch? **Student**: Of the trident.

**Baba:** Yes. *Trishul* means that the symbol of Brahma, Vishnu and Shankar should be imprinted in reality. Who's Brahma, who is the actor playing the role of Vishnu, who is the actor playing the role of Shankar in this world? Who are these three actors who have gained victory over the world, in whose memorial our tricolor flag (*tirangaa jhandaa*) has been prepared. *Vijayi vishwa tirangaa pyaaraa*. (Our lovely tricolor that conquers the world). *Vishwa vijay karke dikhlave* (We will conquer the world.) Should this symbol be imprinted on the intellect or not? (Student: it should be imprinted.) So, they imprint the symbol in a physical form. But where should the symbol be applied? (Student: In the memory.) Yes.

Email id: <a href="mailto:a1spiritual@sify.com">a1spiritual@sify.com</a>
Website: <a href="mailto:www.pbks.info">www.pbks.info</a>

समयः 05.30-08.30

जिज्ञास्ः बाबा वेदान्ती माता अभी कहाँ है और कब बाहर आएगी?

बाबाः वेदान्ती माता से हमें क्या लेना देना कब बाहर आयेगी? बताओ। वेदान्ती माता का नाम क्यों उठाया? और इतनी माताएं हैं, ढेर सारी मातायें है उनका नाम क्यों नहीं उठाया? बताते जाओ। जल्दी-जल्दी करो। (जिज्ञासु - पता नहीं।) आपने वेदान्ती माता का ही नाम क्यों उठाया? और माताएं हैं उनका नाम क्यों नहीं उठाया? बोलो। पकड़े गए आज। बताओ। जिज्ञासः माताजी कह रही हैं लक्ष्मी बनेगी ना इसलिये।

बाबाः लक्ष्मी बनेगी? क्या प्रूफ? बिना प्रूफ और प्रमाण के बुद्धिमान लोग मानने के लिए तैयार नहीं होते। फिर? कोई प्रूफ है? प्रूफ कुछ भी नहीं? बस सुनी-सुनाई बातों में सत्य वचन महाराज?

जिजासुः मुरली में सुना है।

बाबाः मुरली में क्या सुना? मुरली में तो ऐसा कहीं वेदान्ती का नाम नहीं आया। कहीं आया? वेदान्ती का तो नाम नहीं आया। सिर्फ इतना नाम आया है कि ये वेदान्ती बच्ची जो है इसने गीता का भगवान कृष्ण को नहीं लिखा। शिवबाबा लिख दिया इसलिए एक्जामिनरों ने इसको फेल कर दिया। बच्ची ने तो सही बात लिखी थी। फिर भी इसको फेल कर दिया। तो इस सिलिसिले में तो वेदान्ती बहन का नाम आया है।

Time: 05.30-08.30

**Student:** Baba, where is mother Vedanti now and when will she come out?

**Baba:** What are we supposed to do with mother Vedanti that when will she come out? Tell [me]. Why did you take the name of mother Vedanti? There are so many other mothers. Why did you not take their names? Go on telling [me]. Be quick. (Student: I don't know.) Why did you take the name of only mother Vedanti? Why did you not take the name of other mothers? Tell [me]. You have been caught today. © Tell [me].

**Student:** The mother is saying that she will become Lakshmi.

**Baba:** Will she become Lakshmi? What is the proof? Intelligent people do not accept without proofs. Then? Is there any proof? Is there no proof? Do you accept hearsay as truth?

**Student:** We have heard it in the murli.

**Baba:** What did you hear in the murli? Vedanti's name has not been mentioned anywhere in the murli in this manner. Has it been mentioned anywhere? Vedanti's name has certainly not been mentioned. Her name has been mentioned only to the extent that Vedanti, this daughter Vedanti did not write Krishna as the God of the Gita. She wrote Shivbaba. This is why the examiner failed her. Daughter had indeed written the truth. Yet she was failed. So, in this context sister Vedanti's name has certainly been mentioned.

जिज्ञासुः एक मुरली में ये तो कहा कि इनका, ये बहन का नाम पहले रंजना था। बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः तो ब्रहमा बाबा के तन में जब शिवबाबा आते थे, तो उन्होंने कहा था कि ये कन्या वेदों का अन्त करने वाली बनेगी। इसलिये वेदांती नाम रखा था।

बाबाः ठीक है। वेदों का अन्त करने वाली बनेगी। तो वेदों का अन्त करने वाली बने। वेद शास्त्रों का अन्त कर दे। किया तो है नहीं अभी। तो हम क्यों मानें वेदान्ती? (जिज्ञासु - करने वाली है करके बोला मुरली में।) वेदों शास्त्रों का अन्त करे तो वेदान्ती। अभी तो नहीं किया। (जिज्ञासु - अभी किया नहीं है ना।) हाँ, फिर? (जिज्ञासु - आएगी पूछ रहे हैं ना इसलिये तो ।) क्या आएगी? (जिज्ञासु - आएगी पूछा रहे हैं ना।) आएगी, तो गई कहाँ? वो तो ज्ञान में चल रही है। बेसिक ज्ञान में चल रही है। एडवांस में तो नहीं है। प्राइमरी स्कूल में पढ़ रही है। (जिज्ञासु - एडवांस में कब आएगी?) जब आप आवाहन करेंगे तो विजयमाला की हेड आयेगी। वेदान्ती आएगी कि नहीं आएगी ये तो पता नहीं। जो विजयमाला है वो अपने संगी साथी के साथ आ जाएगी।

Student: It has been said in a murli that the name of this sister was Ranjana in the past.

**Baba:** It is correct.

**Student:** So, when Shivbaba used to come in the body of Brahma Baba, He said that this daughter (virgin) will become the one who puts an end to the Vedas. Hence, she was named Vedanti.

Baba: It is correct. She will become the one who puts an end the Vedas. So, let her become the one who puts an end to the Vedas. Let her put an end to the Vedas. She has certainly not put an end [to the Vedas] yet. So, why should we accept her as Vedanti? (Student: It has been said in the murli that she will.) If she puts an end to the Vedas and scriptures then she will become Vedanti. She has certainly not put an end to them now. (Student: She has not put an end to them now, has she?) Yes, then? (Student: This is why he is asking that [when] will she come.) What will come? (Student: He is asking that will she come?) She will come; so where has she gone? She is following the path of knowledge. She is following the path of basic knowledge. She is certainly not in the advance [knowledge]. She is studying in the primary school. (Student: When will she come in the advance knowledge]?) When you invoke her, the head of the *Vijaymala* will come. It is not known whether Vedanti will come or not. [The head of] the *Vijaymala* will come with her companions.

समयः 13.05-14.50

जिज्ञासुः वेदान्ती माता विजयमाला अर्थात् कन्या माताओं को लेकर आएगी तो रुद्र माला और विजयमाला के बीच में ईश्वरीय ज्ञान के विषय में....।

\_

<sup>&</sup>lt;sup>1</sup> The rosary of victory.

बाबाः नाम नहीं लेना चाहिये। नाम तब तक नहीं ले सकते जब तक आप साबित नहीं कर सकते हो। विजयमाला की हेड बोलिये। हाँ, विजयमाला की हेड जब विजयमाला को ले करके प्रत्यक्ष होगी... हाँ, तो? तो क्या पुछना है?

Time: 13.05-14.50

**Student:** When mother Vedanti comes with the *Vijaymala*, i.e. the virgins and mothers; so on the subject of the Divine knowledge... between the *Rudramala*<sup>2</sup> and *Vijayamala*...

Baba: You should not mention someone by name. You cannot mention the name until you prove. Call her the head of the Vijaymala. Yes; [you were saying that] when the head of the Vijaymala will be revealed with the Vijaymala; yes, so? So, what do you wish to ask?

द्सरा जिजासः तब रुद्र माला के जो हैड हैं प्लस उनके जो बच्चे हैं और विजयमाला की जो हैड है उनके बीच में क्या होगा?

बाबाः मेल होगा और क्या होगा? नंबरवार मेल होगा। रुद्र माला के मणके विजयमाला में एड किये जायेंगे। एक साथ एड थोडे ही होंगे। धीरे-धीरे करके एड होते रहेंगे।

दसरा जिजासः एड करने का अर्थ ही पुछना है। एड करने का अर्थ क्या है? क्या एड होगा?

बाबाः एडवांस ज्ञान है वो (विजयमाला) धारण करें। और जो प्योरिटी की पावर है ये (रुद्र माला) धारण करें।

दुसरा जिज्ञासः वो माला उसको पहनाएगी। जो स्वयंवर में दिखाते हैं कि दुल्हन आ रही है -वो माला उसको पहना रही है।

बाबाः वो माला की बात नहीं है। माला है विजयमाला। इनको विकारों पर विजय पानी है। वो विजयमाला हो गई। और वो ज्ञान की माला है। ज्ञान रत्नों की माला है। ज्ञान रतन धारण करें।

**Second student:** What will happen between the head of the *Rudramala* plus his children and the head of *Vijaymala*?

**Baba:** They will meet; what else will happen? The meeting will take place number wise<sup>3</sup>. The beads of the Rudramala will be added to the Vijaymala. They will not be added simultaneously. They will be added gradually.

**Second student:** He wishes to ask the meaning of 'adding'. What is meant by 'adding'? What will be added?

**Baba:** They (i.e. the *Vijaymala*) should assimilate the advance knowledge. And these people (i.e. the *Rudramala*) should assimilate the power of purity.

**Second student:** She will garland him. It is shown in *swayamvar*<sup>4</sup> that the bride is coming, she is garlanding him.

<sup>&</sup>lt;sup>2</sup> Rosary of Rudra.

<sup>&</sup>lt;sup>3</sup> According to their number in the rosary.

<sup>&</sup>lt;sup>4</sup> Public choice of bridegroom by the bride from among her assembled suitors (an ancient Hindu custom among Royalty).

**Baba:** It is not about that (physical) garland. Garland is the rosary of victory. They have to gain victory over the vices. That is *Vijaymala*. And that is the rosary of knowledge. It is a rosary of the gems of knowledge. They should imbibe the gems of knowledge. ... (to be continued.)

#### **Extracts-Part-2**

समयः 14.55-15.40

जिज्ञासुः बाबा, अट्ठाइसवीं शताब्दी चल रही है। उनतीसवीं शताब्दी जाने से पहले ये नष्ट

होगा?

बाबाः क्या नष्ट होगा?

जिज्ञास्: ये पृथ्वी।

बाबा: अरे, ये तो सीधी सी बात है। 100 वर्ष का संगमयुग बता दिया ना। तो जब तक 100 वर्ष का संगमयुग पूरा न हो तो तब तक पहले से ही स्थापना और विनाश का काम पूरा कैसे हो जाएगा? 100 वर्ष का संगम पूरा होगा तो स्थापना भी पूरी होगी और विनाश का काम भी पूरा हो जाएगा। फिर कुछ करने को रहेगी ही नहीं। नई दुनियाँ शुरु हो जाएगी।

Time: 14.55-15.40

**Student:** Baba, the twenty-eighth century is going on. Will this [world] be destroyed before the start of the twenty-ninth century?

Baba: What will be destroyed?

Student: this Earth.

**Baba**: *Arey*, it is a simple concept. Confluence Age has been said to be of 100 years, hasn't it? So, unless the 100 years Confluence Age is over, how will the task of establishment and destruction be completed? When the 100 years Confluence Age is over, then the establishment as well as the work of destruction will be over. Then there will not be anything left to be done. The new world will begin.

समयः 17.50-21.55

जिज्ञासुः बाबा, विष्णु के हाथ में स्वदर्शन चक्र है।

बाबाः विष्णु के हाथ में सुदर्शन चक्र दिखाते हैं।

जिज्ञासुः अर्थ क्या है? स्दर्शन चक्र दिखाने का अर्थ क्या हुआ?

बाबाः स्व माने आत्मा। दर्शन माने देखना। चक्र माने 84 का चक्र। माने जो भी आत्माएं हैं, अपने अनेक जन्मों के मनन, चिंतन, मंथन के बारे में बुद्धि लगाती हैं, उन आत्माओं में विष्ण् सबसे आगे गया। इसलिए उसको स्दर्शन चक्र दे दिया।

Time: 17.50-21.55

**Student:** Baba, there is *swadarshan cakra* in Vishnu's hand. **Baba:** *Swadarshan cakra* is shown in the hand of Vishnu.

**Student:** What is the meaning? What is the meaning of depicting *sudarshan cakra*?

**Baba:** Swa means soul. Darshan means to see. Cakra means the cycle of 84 [births]. It means that among all the souls who use their intellect in thinking and churning about many births, Vishnu went ahead of everyone. This is why he has been depicted with sudarshan chakra.

# जिज्ञास्ः शंख भी है।

बाबाः शंख भी दे दिया है। शंख है चारों तरफ आवाज़ फैलाना। शंख बजाएंगे तो चारों तरफ आवाज़ बराबर बराबर जाएगी या कहीं दिशा कम जाएगी? (जिज्ञासु - बराबर-बराबर जाएगी।) बराबर जाएगी। तो शंखनाद करना माने चारों ओर आवाज़ फैलाना।

**जिज्ञासुः** माला भी है।

बाबाः मालाएं तो अभी बताईं ना। ये गुण रत्नों की मालाएं हैं। ज्ञान रत्नों की मालाएं हैं। विजय की मालाएं हैं। बाकी स्थूल माला की तो कोई बात ही नहीं है। विष्णु को जो ढ़ेर सारा तामझाम दिखाया है ऐसा तामझाम कोई ब्राहमण पहनना पसन्द करेगा क्या?

जिज्ञासुः विष्ण् को चार हाथ दिखाया। राम को दो हाथ दिखाया। वो तो एक ही तो हैं।

**Student:** Conch (*shankh*) has also been depicted.

**Baba:** *Shankh* has also been depicted. *Shankh* means to spread the sound everywhere. If you blow the conch, then will the sound spread equally everywhere or will it spread less in some direction? (Student: It will spread equally.) It will spread equally. So, to blow the conch (*shankhnaad*) means to spread the sound everywhere.

Student: There is a garland as well.

**Baba:** Just now it was said about the garlands. These are the garlands of gems of virtues, the garlands of gems of knowledge, the garlands of victory. As for the rest it is not at all about the physical garland. Would any Brahmin like to wear the numerous decorations that have been shown for Vishnu?

**Student:** Vishnu has been depicted to have four arms. Ram has been depicted to have two arms. They are one and the same, aren't they?

बाबाः राम कोई विष्णु थोड़े ही है। राम तो अकेले भी रहे। सीताजी जंगल में चली गई रावण के यहाँ चली गईं तो राम अकेले रहे या मिल करके रहे? (जिज्ञासु - अकेले।) वो तो अकेले रहे। विष्णु का तो साथ रहने का यादगार है। और विष्णु कोई अकेली राम की आत्मा नहीं है। विष्णु का जो पार्ट है वो तो 4 आत्माओं का पार्ट है, काम्बिनेशन है पाँच का। राम और कृष्ण की आत्माएं और राम-कृष्ण के साथ उनकी सहयोगिनी शक्तियाँ। राम के साथ सीता और कृष्ण के साथ राम। इसलिए 4 भुजाएं दिखाई जाती हैं विष्णु के रूप में। चारों आत्माओं का स्वभाव संस्कारों का काम्बिनेशन हो जाता है। मिल करके एक स्वभाव संस्कार वाली हो जाती हैं। इसलिए विष्णु कहा जाता है। विष्णु का अर्थ क्या है? (जिज्ञासु - नो विश एट आल।) हाँ। चारों आत्माएँ ऐसा पुरुषार्थ करती हैं कि उनमें विषय विकारों का नाम निशान भी नहीं रह जाता। इसलिए नाम पड़ गया विष्णु। देखो कितना अन्तर है। शंकरजी को तो विष

पीते ही हुए दिखाया जाता है। और विष्णु को? विषय विकारों का नाम निशान भी नहीं है। और ब्रहमा तो दाढ़ी मूँछ वाला है ही है। नीचे तबक्के में दिखाया जाता है। ब्रहमा की तो पूजा भी नहीं होती है। मन्दिर भी नहीं बनते। मूर्तियाँ भी नहीं बनतीं। उनकी तो बात ही छोड़ दो।

**Baba:** Ram is not Vishnu. Ram lived alone as well. When Sitaji went to jungle, when she went to Ravan's place, then did Ram remain alone or did he live with her? (Student: Alone.) He lived alone. Vishnu's memorial is of living together. And Vishnu is not the soul of Ram alone. Vishnu's part is a part of 4 souls, it is a combination of five [souls]. The souls of Ram and Krishna and their helper shaktis. Sita with Ram and Radha with Krishna. This is why these four arms are depicted in the form of Vishnu. It is a combination of the nature and sanskars of all the four souls. They unite and become the ones with similar nature and sanskars. This is why he is called Vishnu. What is meant by Vishnu? (Student: No vish [poison] at all.) Yes. All the four souls make such purushaarth that there remains not even the name and trace of the poison of vices in them. This is why the name Vishnu was coined. Look, there is such a difference. Shankarji is shown to be **drinking** poison. And what about Vishnu? There is not even the name and trace of the poison of vices. And Brahma is indeed the one with beard and moustache. He is shown in a lower section. Brahma is not even worshipped. His temples are not constructed, his idols are not sculpted either. Leave his topic itself.

## समयः 22.00-23.24

जिज्ञासुः बाबा, पतित आत्मा तो नई दुनियाँ जा नहीं सकता। तो बाबा ने बोला - एक को भी नहीं छोड़ेंगे। थप्पड़ मारके भी ले जाएंगे बोला है बाबा ने।

बाबाः सबको थोड़े ही थप्पड़ मार के ले जाएंगे। पुरुषार्थ करेंगे तो मान सम्मान से जाएंगे। धर्मराज की सजाएं सब थोड़े ही खाएंगे। जो ठीक से पुरुषार्थ नहीं करेंगे वो धर्मराज की सजाएं खाएंगे। जबरदस्ती उनको ले जाएंगे। (जिज्ञासु - जो ज्ञान में नहीं आये क्या वो भी जायेंगे?) ज्ञान में आए या न आए, पुरुषार्थ करे या न करे, बाप को पहचाने या न पहचाने, परमधाम वापस सबको ले जाएगा। किसी को भी छोड़ने वाला नहीं है। इस दुनियाँ में रह के क्या करेंगे? इस दुनियाँ की तो उथल पुथल होनी है। जो अणु जहाँ से अपना साइकिल लगाना शुरू करता है वहीं पहुँचेगा। ऐसे नहीं गीजिंग का ये पहाड़ यूं ऐसे ही बना रहेगा विनाश होने के टाइम पर।

Time: 22.00-23.24

**Student:** Baba, a sinful soul cannot go to the new world. So, Baba has said: I will not leave even a single person. Baba has said that He will take them even if it requires slapping them. **Baba:** He will not slap everyone and take them along. If they make *purushaarth*, they will go with honor and respect. Everyone will certainly not suffer the punishments of Dharmaraj. Those who do not make proper *purushaarth* will suffer the punishments of Dharmaraj. He will take them forcibly. (Student: will those who have not come in knowledge also go?) Whether they come in knowledge or not, whether they make *purushaarth* or not, whether they recognize the Father or not, He will take everyone back to the Supreme Abode. He is not

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u> Website: <u>www.pbks.info</u> going to leave anyone. What will they do by living in this world? This world is going to witness upheaval. An atom will reach the same place from wherever it started its cycle. It is not that this mountain of Gezing will continue to be like during the time of destruction.

समयः 23.25-24.10

जिज्ञासुः बाबा, इलेक्ट्रान प्रोटोन और न्यूट्रान को ही ब्रह्मा, विष्णु महेश्वर कहता है? बाबाः नहीं, नहीं। वो चैतन्य चीज़ है। इलेक्ट्रान, प्रोटोन वगैरह ये जड़ चीज़ें हैं। अरे जड़ में और चैतन्य में अंतर होगा कि नहीं होगा? (जिज्ञासुः होगा।) वो जड़ सूर्य और वो चैतन्य सूर्य। वो जड़ चन्द्रमाँ है और ब्रह्मा बाबा? चैतन्य चन्द्रमाँ है। तो ऐसे ही इलेक्ट्रान, प्रोटोन, न्यूट्रान ये जड़ भी हैं और चैतन्य भी हैं। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को हम चैतन्य कहेंगे।

Time: 23.25-24.10

**Student:** Baba, is electron, proton and neutron called Brahma, Vishnu and Maheshwar? **Baba:** No, no. They are living. Electron, proton, etc. are non-living things. *Arey*, will there be a difference between non-living things and living things or not? That (physical) Sun is non-living and that (spiritual) Sun is living. That (physical) Moon is non-living and what about Brahma Baba? He is a living Moon. So, similarly, electron, proton and neutron are non-living as well as living. Brahma, Vishnu and Shankar will be called living. ... (to be continued.)

#### **Extracts-Part-3**

समयः 24.15-25.30

जिज्ञासुः जैसे गीतापाठशाला खोलते हैं ना बाबा, तो विशेष करके नियम सबको मालूम ही नहीं होते हैं क्लास करने के। जैसे मोस्ट्ली करके अपने घरों में ही क्लास करते हैं। तो वो कैसे? क्या उसका मान्यता होगी कि नहीं होगी? क्लास में कितने दिन में आना होता है?

बाबाः दूर वाले कभी कभी आएं तो भी चलेगा। मान लो 10-15 कि.मी. दूर रहते हैं। तो रोज़ तो नहीं आ सकते गीता पाठशाला में। महीने में दो बार भी अगर आते हैं, चार बार भी आते हैं तो बहुत है। लेकिन एक अपना नियम बाँध लें कि हमें चार बार आना ही आना है। या दो बार आना ही आना है। माना रेगुलेरिटी होनी चाहिए।

जिज्ञासुः 15 दिन में आएं लेकिन रेगुलर।

बाबाः रेगुलरटी होनी चाहिए। रेगुलरिटी भी हो और पंक्चुअलिटी भी हो। पंक्चुअल माना फिक्स्ड टाइम पर आएँ। ये नहीं कि क्लास शुरु हो गया, क्लास खतम हो गया, फिर साईन करके चले गए। उसको पंक्चुअल नहीं कहेंगे।

Time: 24.15-25.30

**Student:** Baba, for example, people open *Gitapathshalas*, don't they? So, everyone is not aware of the rules of the class. For example, mostly people organize classes in their homes.

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u>
Website: www.pbks.info

So, what about that? Will it be accepted or not? In how many is one required to attend the class?

**Baba:** If people living far away come occasionally, it is ok. Suppose someone lives 10-15 K.M.s away. So, he cannot come to the *Gitapathshala* every day. If they come even twice in a month, or four times in a month, it is enough. But they should make it a rule that they have to definitely come four times a month. Or they have to definitely come twice every month. It means that there should be regularity.

**Student:** They can come once in 15 days, but regularly.

**Baba:** There should be regularity. There should be regularity as well as punctuality. Punctual means that they should come at the fixed time. It is not the class has started, the class has ended and they sign and leave. That will not be called punctual.

समयः 28.10-31.20

जिज्ञासुः बाबा, बच्चा भट्ठी करने से पहले वो पत्र लिख सकते हैं कि नहीं लिख सकते हैं बाबा को?

बाबाः किसको लिखेंगे?

जिज्ञासुः बाबा को।

बाबा: किसको लिखेंगे? बाबा कैसे मानेंगे कि बाबा का बच्चा है? कैसे पता चले कि बाबा का बच्चा है? बाप का बच्चा बाप के घर में जाके जन्म लेगा तभी तो बच्चा कहा जाएगा। घर में जन्म लिया नहीं और बच्चा हो गया?

जिज्ञास्ः इससे पहले कोई नहीं लिख सकते?

बाबाः घर में जाके जन्म तो ले।

Time: 28.10-31.20

Student: Baba, can children write letters to Baba before doing the bhatti?

**Baba:** Whom will they write to?

**Student:** To Baba.

**Baba:** Whom will they write to? How will Baba accept that he is Baba's child? How will it be known that he is Baba's child? He will be called a child only when he goes to the Father's home and is born there. Can someone become a child without being born at home?

**Student:** Can't anyone write [letters to Baba] before that? **Baba:** They should at least go and be born in the house first.

जिज्ञासुः और बाबा रजिस्टर में बी.के लिखें या पी.बी.के लिखें भट्टी करने से पहले?

बाबाः वो तो बाबा ने वाणी में, मुरिलयों में बताया हुआ है कि तुम बच्चे जो ब्रहमाकुमार-कुमारी या ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय लिखते हो, ये रांग है। तुमको लिखना चाहिए प्रजापिता ब्रहमाकुमार-कुमारी।

जिज्ञास्ः पिता ही लिखना पड़ेगा।

बाबाः हाँ, जी, हाँ, जी। माँ-बाप दोनों के बच्चे हैं। अकेली माँ का बच्चा कोई अपने को...

दूसरा जिजासुः जैसे एक कैसट में बाबा ने बोला, उरई की कैसट में बोला है ना कि जो भाई बहन कोर्स क्लास कर लेते हैं लेकिन भट्टी नहीं किये हैं तो वो सिग्नेचर जब करेंगे तो बी.के लिखेंगे। और जो भट्टी कर चुके हैं वो पी.बी.के लिखेंगे। बिल्कुल नए आए हैं जस्ट कोर्स वगैरा भी नहीं किया है तो वो खाली सिग्नेचर करेंगे।

बाबाः जो बी.के में चल रहे हैं... जिज्ञास्ः नहीं, जो नए हैं जैसे।

**Student:** And Baba, while doing the signature in the [attendance] register should they mention themselves as BKs or PBKs before doing the *bhatti*?

**Baba:** Baba has mentioned in the vani, in the murlis that it is wrong on the part of you children to write Brahma Kumar-Kumari or Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya. You should write Prajapita Brahmakumar-kumari.

**Student:** They will definitely have to write [the name of] the father.

**Baba:** Yes, yes. We are children of the mother as well as the father. If someone calls himself the child of the mother alone...

**Another student:** For example Baba has said in a cassette, in a cassette recorded at Urai that the brothers and sisters who complete the course, the class, but haven't done the *bhatti* will write 'BK' [before their name] when they sign. And those who have done the *bhatti* will write PBK. Those who have come newly, and have not undergone the course etc will just sign (without prefixing BK/PBK).

**Baba:** Those who follow the BK [knowledge]...

**Student:** No, those who have come newly.

बाबाः जो बी.के में चल रहे हैं और उन्होंने मुरली पढ़ ली। मुरली उनके सामने आ गई कि तुम बच्चों को ब्रहमाकुमार-कुमारी नहीं लिखना चाहिए। तुम बच्चों को लिखना चाहिए प्रजापिता ब्रहमाकुमार-कुमारी। और उसने लिखना शुरु कर दिया। तो हम ये कहेंगे तुमने रांग लिख दिया? (जिज्ञासु - ये नहीं कहेंगे।) लिख सकता है लेकिन फिर उसे परिचय भी तो होना चाहिए। वो लिखना शुरु कर दिया प्रजापिता ब्रहमाकुमार-कुमारी। अब उसे पूछा जाए कि तुम्हारी ब्रहमा कौन है और तुम्हारा प्रजापिता कौन है, तो मुगालते में पड़ जायेंगे। तो पक्की बात तो नहीं हुई।

जिज्ञासः फिर तो लिख तो सकते हैं।

बाबाः फायदा क्या लिख देने से जब जानते नहीं हैं? यहाँ तो जान करके मानना है ना। भट्ठी करने के बाद तो पता चल जाता है कि ब्रह्मा कौन है और प्रजापिता कौन है?

जिज्ञासुः कोर्स करके कोई आकरके बोलते हैं प्रजापिता ही लिखना है, ब्रहमाकुमार-कुमारी। कोई आकरके कहता है, कि भाई प्रजापिता नहीं लिखो। तुम अभी ब्रहमाकुमार-कुमारी लिखो। इसमें दो में टक्कर हो रहा है ना बाबा अभी।

बाबाः टक्कर की क्या बात है? जान करके, मान करके चलना चाहिए ना। बिना जाने और माने ऐसे ही चलता रहे तो उसको क्या कहेंगे? जानना भी है, मानना भी है और प्रैक्टिकल में चलना भी है। तुमने लिखना तो शुरु कर दिया प्रजापिता ब्रहमाकुमार। फिर किसी ने पूछा कौन है प्रजापिता? तो च्प। फायदा क्या हुआ?

**Baba:** Those who are following the BK [knowledge] and have studied murlis; the murli came in front of them that you children should not write Brahmakumar-kumari. You children should write Prajapita Brahmakumar-kumari. And he started writing that [in our attendance register]. So, will we say that you have written the wrong thing? (Student: We will not say so). He can write that, but he should have the introduction [of Prajapita] as well. He started writing Prajapita Brahmakumar-kumari. Well, if he is asked: who is your Brahma and who is your Prajapita, then he will be confused. So He is not firm on the topic.

**Student:** So, he can certainly write.

**Baba:** What is the use of writing when they do not know at all? Here we have to accept after knowing. After undergoing the *bhatti* we come to know that who is Brahma and who is Prajapita.

**Student:** After undergoing the course some people come and tell [him] that you have to write Prajapita Brahmakumar-kumari. Some come and say that you should not write Prajapita. Write [just] Brahmakumar-kumari now. Baba there is a clash of opinion regarding this, isn't there?

**Baba:** Where is a clash involved in this? You should follow after knowing and accepting. What will you say if someone follows without knowing and accepting? You have to know as well as accept and then follow in practice too. You indeed started writing Prajapita Brahmakumar. Then if someone asks: who is Prajapita and you become silent; [then] what is the use? ... (to be continued.)

## **Extracts-Part-4**

समयः 31.30-33.00

जिज्ञासुः बाबा, आदमी, मनुष्य के अलावा पशु पक्षी भी हैं। ये भी आत्माएं हैं। और इन आत्माओं का क्या होगा जब प्रलय होगा? शान्तिधाम जाएंगी?

बाबाः ये आत्मा नहीं है? (जिज्ञासु - आत्मा है।) तो परमधाम नहीं जाएंगी? (जिज्ञासु - जाना तो है।) फिर? वो जड़त्वमयी आत्माएं हैं और हम मनुष्य जो हैं ज्यादा चैतन्य हैं। जड़ जन्तु जो हैं, वो पेड़-पौधे हैं, उनमें भी आत्मा है। वो पेड़ पौधों की आत्माएं भी कोई टाइम आएगा कि ये यहाँ से बिल्कुल ही खत्म हो जाएंगी। कोई जड़-जन्तु नहीं रहेंगे इधर। हाँ जड़त्वमयी आत्माएं नीचे-नीचे की ओर रहेंगी, पृथ्वी की ओर और जो जितनी ज्यादा चैतन्य हैं वो उतना ही ऊपर-ऊपर की और, पृथ्वी के वायुमण्डल से परे। बाकी ऐसे नहीं है कि कोई आत्माएं परमधाम वापस नहीं जाएंगी। जो भी चैतन्य हैं सबको वापस जाना है।

Email id: <a href="mailto:a1spiritual@sify.com">a1spiritual@sify.com</a>
Website: <a href="www.pbks.info">www.pbks.info</a>

Time: 31.30-33.00

**Student:** Baba, there are animals and birds too apart from human beings. They are souls too; what will happen to these souls when the *pralay*<sup>5</sup> takes place? Will they go to the Abode of Peace?

**Baba:** Are they not souls? (Student: They are souls.) So, will they not go to the Supreme Abode? (Student: They certainly have to go.) Then? They are non-living souls and we human beings are more living. There is a soul even in the non-living beings, trees and plants. A time will come when the souls of those trees and plants will also perish from this place. There will not be any non-living beings here. Yes, the inert souls will remain in the lower portion [of the Supreme Abode], towards the Earth. And the more living someone is the more it will stay in the upper portion [of the Supreme Abode], beyond the Earth's atmosphere. As for the rest it is not that some souls will not go to the Supreme Abode. All those who are living beings (caitanya) have to go back.

समयः 33.40-35.29

जिज्ञासुः बाबा, सतयुग में जो देवी-देवताएं है वो क्या चीज़ से सवार करेंगे? कैसा सवार करेंगी जैसा इधर उधर जाना हो वो क्या चीज़ से जायेंगे? उस समय गाड़ी नहीं होगी। किस चीज से सवार करेंगे?

बाबाः माने वहाँ कारखाने होने चाहिए हवाईजहाज बनाने के लिए या ट्रेन बनाने के लिए? © वहाँ बड़े-बड़े पक्षी होंगे। उन पक्षियों पर आराम से सवारी होके चलेंगे। उनको इशारा करो - यूँ चलो, तो इधर चलेंगे। यूँ चलो, तो इधर चलेंगे। ऊपर उड़ो, तो ऊपर उड़ेंगे। इशारे से ही सारा समझेंगे।

दूसरा जिज्ञासः विष्ण् जी का दिखाते हैं, गरुड पर सवार।

बाबाः हाँ। जैसे शास्त्रों में उन्होंने दिखाया है गरुड़ की सवारी विष्णु को।

जिज्ञासः पंछी पर सवार होकर चलेंगे।

बाबाः बड़े-बड़े पंछी होंगे। उन पंछियों पर सवार होकर चलेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः बिना पेट्रोल का ही एरोप्लेन है।

बाबाः हाँ। फूलप्रूफ।

Time: 33.40-35.29

**Student:** Baba, what will be the medium of transport for the deities in the Golden Age? What will they ride on? For example, if they have to go here and there, how will they travel? There will not be vehicles at that time. What will they ride on?

**Baba:** Do you mean to say that there should be factories to make aeroplanes or trains there? There will be big birds there. They (the deities) will ride comfortably on those birds. If you signal them, 'move in this direction', they will move in this direction. 'Move in that

<sup>&</sup>lt;sup>5</sup> Dissolution of the world at the end of the *kalpa*.

direction', they will move in that direction. 'Fly upwards', they will fly above. They will understand everything just by the signals.

**Another student:** They show Vishnuji that he rides on the Garuda<sup>6</sup>.

**Baba:** Yes. For example, they have shown Vishnu to be riding on Garuda in the scriptures.

Student: They will ride on birds.

**Baba:** There will be big birds. They will ride on those birds.

**Another Student:** There will be aeroplanes which work without petrol.

**Baba:** Yes, [they will be] *full proof*.

दूसरा जिजासुः ये भी तो कहा ना कि ऐसा सतयुग थोड़े ही है। अभी तो संगमयुगी स्वर्ग है ना उसमें तो अभी चरित्र के आधार पर बताया गया ना सारी बातें।

बाबाः हाँ। वो बात अलग।

दूसरा जिज्ञास्ः माना ऐसा भी होगा?

बाबाः बिल्क्ल होगा।

जिज्ञासुः बाबा उस समय सतय्ग में खाने का दरकार पड़ता है क्या?

बाबाः कम भोजन होगा। जैसे बातचीत कम करेंगे, इशारे की भाषा होगी, वैसे भोजन भी बह्त सूक्ष्म भोजन होगा। जितना अभी खाना खाते हैं उतना खाना नहीं खाएंगे।

**Another Student:** It has also been said that Golden Age is not like this. Now it is the Confluence Age heaven, everything is based on the characters here, isn't it?

**Baba:** Yes. That is a different topic.

**Another Student:** It means that such things will also happen.

**Baba:** It will definitely happen.

**Student:** Baba, do they need to eat [anything] in the Golden Age?

Baba: They will eat less. Just as they will speak less, there will be a language of signs;

similarly, the food will also be very subtle. They will not eat as much as you eat now.

समयः 35.30-36.45

जिज्ञासुः बाबा, हम लोगों का ये 63 जन्मों का जो विकार है ना वो विकार कब नाश होगा?

बाबाः कब नाश होगा?

दूसरा जिज्ञासः कब विनाश होगा 63 जन्मों के विकारों का?

जिजासः पिछले जन्मों का हमें पता ही नहीं है।

बाबाः क्यों नहीं पता? अभी जो रील घूम रही है तो पता नहीं चल रहा है? अभी ये रिहर्सल हो रही है। अभी शूटिंग हो रही है। तो शूटिंग में पता नहीं चलता है कि विकार हमको तंग कर रहे हैं कि नहीं कर रहे हैं। (जिज्ञासु - ये तो पता है।) जब ज्यादा तंग कर रहे हैं तो समझ लो वो रील घूम रही है तेजी से। कभी-कभी ऐसा भी तो पुरुषार्थी जीवन में होता है कि विकार कम महसूस होते हैं। जब कम महसूस होते हैं तो जरूर वो रील अच्छी घूम रही है।

-

<sup>&</sup>lt;sup>6</sup> Name of a bird

कभी न चाहते हुए भी पुरुषार्थ अच्छा हो जाता है और कभी हम कितना चाहते है तो भी पुरुषार्थ अच्छा नहीं होता है। इसका मतलब खराब कर्मों की रील घूम रही है। जब हम चाहते हैं तो भी अच्छा पुरुषार्थ नहीं हो पाता।

Time: 35.30-36.45

**Student:** Baba, when will our vices of 63 births be destroyed?

Baba: When will they be destroyed?

**Another student:** When will the vices of 63 births be destroyed?

**Student:** We do not know about the past births at all.

**Baba:** Why don't you know? Are you not knowing [it] now when the *reel* is rotating? Now the *rehearsal* is going on, the *shooting* is going on. So, don't you come to know in the *shooting* whether the vices are troubling you or not?

**Student:** We are aware of this.

**Baba:** When they are troubling you more, think that that *reel* is rotating fast. Sometimes it also happens like this in the *purushaarthi* life<sup>7</sup> that you experience fewer vices. When you experience fewer [vices], then definitely the good *reel* is rotating. Sometimes, the *purushaarth* is good even if we don't wish so. And sometimes no matter how much we wish; we are unable to make good *purushaarth*. It means that the *reel* of bad actions is rotating. We are unable to make good *purushaarth* even if we wish to.

समयः 36.48-38.03

जिज्ञासुः बाबा, ये भिक्तिमार्ग में पूजा करते समय गणेश का पहले पूजा करते हैं। इसका अर्थ क्या है?

बाबाः शंकरजी को दिखाया है वो तो हुआ भगवान। क्या? शंकरजी शंकरजी नहीं हैं। वो क्या हैं? भगवान और उनका बच्चा कौन है? (जिज्ञासु - गणेश।) वो गणेश बच्चा है। देवताओं में पहला देवता बनने वाली आत्मा कौन है? कृष्ण की आत्मा। कृष्ण ही गणेश है। पहला पत्ता कौन है? सृष्टि का पहला पत्ता कौन है? (जिज्ञासु - कृष्ण।) कृष्ण ही तो है। अभी गुल्ज़ार दादी में जो दिव्य गुणों की भाषा सिखा रहा है वो कौनसी आत्मा है? (जिज्ञासु - कृष्ण।) कृष्ण की ही तो आत्मा है जो दिव्य गुणों की भाषा सिखा रहा है वो दिव्य गुणों की भाषा सिखाता है।

Time: 36.48-38.03

**Student:** Baba, in the path of *bhakti* (devotion), Ganesh is worshipped first of all. What does it mean?

**Baba:** Shankarji has been depicted; he is God. What? Shankarji is not Shankarji. What is he? God; and who is his child? (Student: Ganesh.) Ganesh is his child. Which soul becomes the first deity among the deities? The soul of Krishna. Krishna himself is Ganesh. Who is the first leaf? Who is the first leaf of the world? (Student: Krishna.) It is Krishna himself. Which soul is teaching the language of the divine virtues in Dadi Gulzar now? (Student: the soul of

\_

<sup>&</sup>lt;sup>7</sup> Life of making spiritual effort.

Krishna.) It is the soul of Krishna himself who is teaching the language of divine virtues. So, as he is the first deity, he teaches the language of divine virtues.

#### समयः 38.15-39.05

जिज्ञासुः कई ऐसी बांधेली माताएं भी हैं, भाई, बहन भी हैं जो या तो शरीर की प्राब्लम है या धन की कोई प्राब्लम है या घर की कोई प्राब्लम है। बिल्कुल भी भट्टी नहीं कर पाती हैं तो फिर उनके मन में यह चलता है कि संशय क्या हम कभी बच्चे नहीं बन पायेंगे बाबा के। बहुत बाँधेले जो भाई-बहन हैं ना।

बाबा: भाई?

जिज्ञास्: जैसे माताएं है, भाई लोग, कोई भी हैं तन की वजह से या धन की वजह से...

बाबाः लंगोट लगा के चले जाएं। अरे सन्यासी लोग होते हैं। उनके पास पैसे होते हैं क्या? चारों तरफ तीर्थ यात्रा करते फिरते हैं। वो कैसे कर लेते हैं? जिसने मन में ठान ली, उसको कोई रोक पाएगा? (जिज्ञास् - नहीं।) फिर? एक जगह उतार देंगे तो दूसरी जगह चढ़ जाये।

Time: 38.15-39.05

**Student:** There are many mothers in bondage like this; there are many brothers and sisters like this as well who are either facing problems related to the body, problems related to wealth, or problems related to the family. They are unable to do *bhatti* at all. So, they think that will they ever be able to become a child of Baba. There are many brothers and sister in bondage.

**Baba:** brothers?

**Student:** For example, there are mothers, brothers or anyone else [who are unable to do *bhatti*] due to the body or wealth.

**Baba:** They (brothers) can go wearing a *langot* (loin cloth). *Arey*, there are *sanyasis*; do they have money? They keep performing pilgrimages everywhere. How do they do that? Can anyone stop a person who makes a strong resolution in the mind? (Student: No.) Then? If he is asked to get down at one place, he can catch another [bus/train].

समयः 39.20-40.35

जिज्ञासुः शंकर का बच्चा कार्तिकेय दिखाते हैं ना। उसके बारे में पूछ रहे हैं। गणेश जी का तो बता दिया।

बाबा: हाँ जी-2।

जिज्ञासु: तो दूसरा बच्चा जो कार्तिकेय है, कुमार है उसका बेहद में क्या है?

बाबाः कार्तिकेय को मुँह कितने दिखाये जाते हैं? छह मुख दिखाये जाते हैं। तो वो देवताओं का मुखिया है गणेश। देवताओं का कोई मुखिया है तो फिर जो इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन आदि जो अस्र हैं इनका भी कोई मुखिया होगा कि नहीं? छह धर्म रह गए न और। इस्लामी,

बौदी, क्रिश्चियन, सन्यास, मुसलिम और सिक्ख। ये छह मुँह से बातें करता है। कौन? कार्तिकेय। माना हर धर्म वाले को सपोर्ट करता है। गणेश सिर्फ देवता है। वो देवताओं का मुखिया है। वो असुरों का मुखिया है। (जिज्ञासु - दोनों ही शंकर के बच्चे है) हैं दोनों बच्चे। असुर भगवान के बच्चे नहीं हैं क्या? (जिज्ञासु - है) फिर?

Time: 39.20-40.35

**Student:** Kartikeya is shown to be Shankar's child, isn't he? He is asking about him. [Baba] explained about Ganesh*ji*.

Baba: Yes.

**Student:** So, what is meant by Kartikeya, the second child [of Shankar] in an unlimited sense? **Baba:** How many heads is Kartikeya depicted to have? He is depicted with six heads. So, Ganesh is the head of the deities. If there is a chief of the deities, then will there also be a chief of the demons, i.e. the people of Islam, the Buddhists, the Christians, etc. or not? There are six other religions, aren't there? The people of Islam, the Buddhists, the Christians, the Sanyasis, the Muslims and the Sikhs. He talks through six mouths. Who? Kartikeya, it means he supports the person of every religion. Ganesh is just a deity. He (Ganesh) is the chief of the deities. He (Kartikeya) is the chief of demons. (Student: Both are the children of Shankar.) Both are children. Are demons not the children of God? (Student: They are.) Then? ... (to be continued.)

## **Extracts-Part-5**

समयः 40.41-41.45

जिज्ञासुः बाबा, भिक्तिमार्ग में शंकर को जहाँ भी हो विष पीते हुए दिखाते हैं। बाबाः हाँ, तो? और कौन पीएगा? और किसी में ताकत है? और किसी में दम हो तो एक बूंद पी ले। ट्राइ करके देखे। पराई स्त्री को, पर पुरुष को विष कहा जाता है। ज्ञान में चलने के बाद हमको अपन को क्या समझना है? आत्मा समझना है। आत्मा-आत्मा भाई-भाई समझना है। अगर दूसरी वृत्ति आती है तो जैसे कि विष पी लिया। विष पी लिया तो वो उल्टा असर करेगा। बुद्धि को भ्रष्ट करेगा। बुद्धि तो भ्रष्ट होती है ना। माया बुद्धि भ्रष्ट कराती है।

Time: 40.41-41.45

**Student:** Baba, Shankar is shown to be drinking poison everywhere in the path of *bhakti*. **Baba:** Yes, so? Who else will drink [it]? Does anyone else have the strength? If anyone else

has the power, let him drink a drop [of it] ②. Let him try. Other's wife (paraai stree) or some other man (par purush) is called poison. After following the path of knowledge, what should we consider ourselves to be? We have to consider ourselves to be souls. What should consider ourselves as souls who are brothers [among themselves]. If any other feeling arises [in us], then it is as if we have drunk poison. And if we drink poison then it will have an opposite effect. It will make the intellect corrupt. The intellect does become corrupt, doesn't it? Maya makes the intellect corrupt.

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u> Website: <u>www.pbks.info</u> समयः 41.50-42.47

जिज्ञास्ः बाबा, ब्रहमा के 4 म्ख दिखाते हैं।

बाबाः ब्रहमा के 5 मुख भी दिखाते हैं। पंचानन कहते हैं, चतुरानन कहते हैं। हाँ, बोलो।

जिज्ञास्ः ब्रहमा की पूजा भी नहीं होता है। मन्दिर भी नहीं हैं।

बाबाः हाँ, सिद्धि नहीं पाई। काम पूरा नहीं हुआ। जो नई दुनियां की स्थापना का कार्य है वो काम पूरा नहीं हुआ। पहले ही शरीर छोड़ दिया। तो सिद्धि पाने वाले को पूजा जाएगा या सिद्ध नहीं हुआ उसको पूजा जाएगा? अरे? (जिज्ञासु - सिद्धि पाने वाले को।) पूजा किसकी की जाएगी? जो सिद्धि प्राप्त करे उसकी पूजा हो।

दूसरा जिज्ञासु: जो फेल ह्आ उसकी पूजा नहीं होती।

बाबा: हाँ जी।

Time: 41.50-42.47

Student: Baba, Brahma is shown to have four heads.

**Baba:** Brahma is shown to have five heads also. He is called *Pancaanan* (five-headed), he is called *Caturaanan* (four-headed). Yes, speak up.

**Student:** Neither is Brahma worshipped nor are there temples [of Brahma].

**Baba:** Yes, he did not achieve success. The task was not accomplished. The task of the establishment of the new world was not completed. He left the body beforehand. So, will a successful person be worshipped or will someone who hasn't succeeded be worshipped? *Arey*? (Student: The one who succeeds.) Who will be worshipped? The one who succeeds should be worshipped.

**Another student:** the one who fails isn't worshipped.

Baba: Yes.

समयः 42.50-45.00

जिज्ञासः गणेशजी को चूहा के ऊपर सवारी दिखाते हैं ना। इसका क्या अर्थ?

बाबाः हाँ। ऐसों की सवारी करता है जो आत्माएं अन्दर ही अन्दर सारी जड़ें खोखला कर देता है। जैसे एक भाई था गढ़वाल का। वो गढ़वाल के भाई ने ज्ञान लिया एडवांस। ज्यादा उमर का भी नहीं था। स्टूडेन्ट था। अब उसकी बुद्धि में आ गई बात, एक प्लान आ गया, पिताजी से कहा हम तो डाक्टर की पढ़ाई पढ़ेंगे। पिताजी ने कहा जाओ पढ़ो जाके। पढ़ाई में मन तो लग नहीं रहा था। वो आ गया देहरादून में। और वहाँ जाकरके उसने हास्टल में दाखिला भी ले लिया। कालेज में भी दाखिला ले लिया। और सेन्टर पे रोज जाने लगा। छह महीने लगातार सेन्टर में गया। और छह महीने के अन्दर जितने भी जिज्ञासु थे उन सबके घरों में चक्कर काट के सबको पहचान लिया अच्छी तरह से। छह महीने के बाद एडवांस कोर्स देना शुरु कर दिया। एक सप्ताह के अन्दर सब पूरा सेन्टर उखड़ गया। तो अन्दर ही अन्दर जमीन क्या करता है चूहा? क्या करता है? (जिज्ञासु - जमीन खोद देता।) जमीन खोद देता है पोली हो जाती है। लेकिन चूहे में ज्यादा दम नहीं होती है। क्या? ऐसे की सवारी गणेशजी

करता है। माना ब्रहमा बाबा ऐसों के ऊपर सवारी कर लेता है। आज वो भाई शादी करके बैठा हुआ है।

Time: 42.50-45.00

**Student:** Ganeshji is shown to be riding on a mouse. What does it mean?

Baba: Yes. He rides on such souls which make all the roots hollow internally. For example, there was a brother from Garhwal 8. That brother from Garhwal obtained the advance knowledge. He was young. He was a *student*. Well, he got an idea, a plan. He told his father that he wishes to study medicine. The father said: Go and study. [But] he was not feeling any interest in studies. He came to Dehradun. And there he took admission in the *hostel* as well as in the *college*. And he started going to the [BK] center daily. He went to the center for six months continuously. And within six months he went around the homes of all the students (BKs) and got well acquainted with them. After six months he started giving [them] the advance course. Within a week the entire center was uprooted. So, what does a mouse do underground? What does it do? (Student: It digs the earth.) It digs the earth. It becomes hollow. But a mouse does not have much strength. What? Ganesh*ji* rides on such ones. It means that Brahma Baba rides on such ones. Now, that brother has got married. ©

समयः 45.50-47.55

जिज्ञासुः शंकरजी को बैल के ऊपर सवार दिखाया है ना। नंदी जो है ना बैल के ऊपर ही क्यों दिखाया है?

बाबाः बैल के ऊपर इसलिए दिखाया है...

जिज्ञासु: सब भक्तिमार्ग से निकले है ना बाबा इसलिये...

बाबा: हाँ, ऐसा है शिव तो है निराकार। शिव तो ज्योति बिन्दु है। तो ज्योति बिन्दु किसके ऊपर सवारी करे? तो ज्योति बिन्दु शिव सवारी करते हैं मनुष्य के ऊपर। क्या? शंकरजी के ऊपर। शंकरजी तो मनुष्य है। और शंकरजी सवारी करते हैं ब्रहमा बाबा के ऊपर। (जिज्ञासु - बैल के ऊपर।) बैल के ऊपर। ब्रहमा क्या हुआ? बैल हुआ। इसलिए शिव के मन्दिर में नाली के मुँह पर किसको दिखाते हैं? बैल को दिखाते हैं। शिवलिंग बीच में दिखाते हैं। वो लिंग है शंकर। उसमें जो बिन्दु रखा है वो है शिव। शिव बैल के ऊपर सवारी कैसे करेगा? शिव तो लुढ़क जावेगा। ढुलक जावेगा। इसलिए शिव की सवारी शंकर के ऊपर और शंकर की सवारी बैल के ऊपर दिखाते हैं। बैल है जानवर का प्रतीक। क्या? जानवर। जानवर को आवेग आवेगा तो सोचेगा क्या? (जिज्ञासु - नहीं सोचेगा।) और मनुष्य? मनुष्य तो सोच-समझ के काम करता है ना। जो सोच समझ के काम करे उसे मनुष्य कहा जाता है। तो इतनी मुरलियाँ चलाई ब्रहमा के द्वारा। एक भी मुरली के ऊपर मनन-चिंतन-मंथन किया? किया? (किसीने कहा - नहीं किया।) मनन-चिंतन-मंथन तो नहीं किया। इसलिए बैल का टाइटल मिला।

<sup>&</sup>lt;sup>8</sup> a hilly region of Uttarakhand State in north India

Time: 45.50-47.55

**Student:** Shankar*ji* is shown to be riding on a bull, isn't he? It is called Nandi, isn't it? So, why was he shown only on the bull?

**Baba:** He has been shown to be riding on a bull because...

**Student**: All these people have come here [directly] from the path of *bhakti* that is the reason why...

**Baba**: Yes, the fact is that Shiva is incorporeal. Shiva is a point of light. So, on whom will the point of light ride? So, the point of light Shiva rides on a human being. What? On Shankarji. Shankarji is a human being. And Shankarji rides on Brahma Baba. (Student: On the bull.) On a bull. What is Brahma? He is a bull. This is why, who is shown at the mouth of the drain in the temple of Shiva? A bull is depicted. *Shivling* is placed in the center. That *ling* is Shankar. The point placed in it is Shiva. How will Shiva ride on the bull? Shiva will slip. He will tumble down. This is why Shiva rides on Shankar; and Shankar is shown to be riding on the bull. The bull is a symbol of animal. What? Animal. Will an animal think when it feels excited? (Student: It will not.) And what about the human being? A human being thinks and performs his tasks, doesn't he? The one who thinks and works is called a human being (*manushya*). So, so many murlis were narrated through Brahma. Did he think and churn over a single murli? Did he? (Someone said: he did not.) He did not think and churn. This is why he received the title of bull.

समयः 48.00-50.45

जिज्ञासुः बाबा ये दक्षिण भारत में अष्ट देव और उत्तर भारत में नौ ग्रह इस विषय में जिक्र किया था। इसका थोड़ा समझाइये ना।

बाबाः नौ रतन? नहीं। नौ रतन तो सभी जगह, दुनियां में सभी जगह माने जाते हैं। अष्ट देव भारत में, दिक्षिण भारत में खास माने जाते हैं। उत्तर भारत में अष्ट देवों की मूर्तियाँ, अष्ट देवों के मन्दिर नहीं मिलते हैं। दिक्षिण भारत में अष्ट देवों के मन्दिर भी हैं और अष्ट देवों की मूर्तियाँ भी हैं। इसका कारण ये है कि जो आठ देवातमा बनने वाली आत्माएं हैं, जो सारी सृष्टि की पूर्वज हैं वो वास्तव में दिक्षण भारत से निकलती हैं। ऐसे है कि आखरी जन्म में दुनियाँ की जो अच्छे से अच्छी आत्माएं हैं पार्ट बजाने वाली, 84 जन्मों में जिन्होंने अच्छा पार्ट बजाया है, वो आखरी जन्म में विदेशों में सेवा करने के लिए भेज दी जाती हैं। क्या? जैसे ब्रहमाकुमारियों में भी जो अच्छे-अच्छे हैण्ड्स हैं, कहाँ जा रहे हैं? विदेशों में जा रहे हैं। इंडिया में भी जो जहीन-2 आत्माएं हैं, बहुत अच्छे मार्क्स से पास होते हैं बी.ए. में, एम.ए. में, पी.एच.डी. में बहुत अच्छा काम करके दिखा रहे हैं , इंडिया में उनकी कोई वैल्यू नहीं है। कहाँ जा रहे हैं? विदेश में जा रहे हैं। तो अच्छे-अच्छे हैंड्स जो हैं ये नियम है कि आखरी जन्म में? विदेश में चले जाते हैं। तो जो दिक्षण भारत है वो भारत का विदेश है। किस हिसाब से? वहाँ की भाषा भी? भाषा भी दूसरी। वहाँ की चलन भी? दूसरी। परंपराएं भी? दूसरी। जो लोग हैं वो भी लम्बे-चौंडे हैं।

Time: 48.00-50.45

**Student:** Baba, there are eight deities in South India and there are nine planets in north India. You had mentioned this. Please explain about it a little.

**Baba:** Nine gems? No. Nine gems are accepted everywhere in the world. Eight deities are accepted especially in southern India. The idols [and] temples of the eight deities are not found in north India. There are temples as well as idols of the eight deities in south India. Its reason is that the souls which are going to become the eight deity souls, which are the ancestors of the entire world, actually emerge from south India. The fact is that the souls who play the best *part* in the world, who have played a good *part* in the 84 births are sent to the foreign countries to serve in the last birth. What? For example, even among the Brahmakumaris, where are the nice *hands* going? They are going to the foreign countries. Even in India, the intelligent souls, those who pass with very good *marks* in BA, MA, Ph.D and are doing best work are not given *value* in India. Where are they going? They are going to foreign countries. So, as regards the nice hands, it is a rule that they go to foreign countries in the last birth. So, the southern India is a foreign land within India. How? The language of that place? The language is different. [How is] the behavior of that place as well? It is different. [How are] the traditions as well? They are different. The people are also tall and sturdy.

जिज्ञासुः बाबा वहाँ बहुत ज्ञान उठा रहे हैं, दक्षिण भारत वाले...

बाबाः दक्षिण भारत वालों ने सारा एडवांस ज्ञान यहाँ उत्तर भारत में आ करके उठा लिया। और उत्तर भारत वाले अभी तक भी नहीं जगे हैं। (जिज्ञासु - क्यों बाबा ऐसा?) इसीलिए ऐसा है कि यहाँ की भाषा हिन्दी है और भगवान की भाषा हिन्दी होती है। अगर उत्तर भारत वाले जिनकी भाषा ही हिन्दी है और वो भी अगर इस ज्ञान को उठा लें तो दक्षिण भारत वालों को तो मौका ही नहीं मिलेगा। इसलिए ये नियम बना हुआ है कि विदेशी बाप को पहले पहचानते हैं।

**Student:** Baba, the south Indians are grasping a lot of knowledge.

**Baba:** The south Indians came to north India and grasped the entire advance knowledge. And the north Indians have not woken up yet. (Student: Why is it so Baba?) It is so because the language of this place is Hindi and God's language is Hindi itself. If the north Indians, whose language itself is Hindi, grasp this knowledge, too, then the south Indians will not get any chance at all. This is why this rule has been made that the foreigners recognize the Father first. ... (to be continued.)

#### **Extracts-Part-6**

समयः 50.50-51.30

जिज्ञासुः बाबा, अभी भिक्तिमार्ग में साई बाबा है, सतपाल महाराज है, बहुत सारे गुरु है।

**बाबाः** आसाराम बाप् हैं। मुरारी बाप् हैं। जिज्ञासुः इनका ज्ञान में क्या पार्ट है?

बाबाः ये आत्माएं लास्ट में परमधाम से उतरती हैं या 84 जन्म लेने वाली आत्माएं हैं? लास्ट में उतरती हैं। तो लास्ट में इनका पार्ट होगा। अभी कहाँ से पार्ट आ जाएगा? ये अपने

20

अहंकार के वशीभूत ये हमारी बात को नहीं सुनेंगे अभी। लास्ट में जाके सुनेंगे। उनको भी कणा दाना मिल जाएगा।

Time: 50.50-51.30

Student: Baba, now there is Sai Baba, Satpal Maharaj and many other gurus in the path of

bhakti.

**Baba:** There is Asaram Bapu. There is Murari Bapu. **Student:** What is their *part* in [the path of] knowledge?

**Baba:** Do these souls descend from the Supreme Abode in the last period or do these souls have 84 births? They descend in the last period. So, their *part* will be in the last period. How will their *part* [in the path of knowledge] begin now? They will not listen to us due to their ego now. They will listen [to us] in the last period. They will also get a grain (little bit of knowledge).

समयः 51.35-53.55

जिजासुः बाबा, एक प्रश्न। अभी एक प्रश्न हुआ था कि सबको थप्पड़ मारके ही ऊपर जाएगा। बाबाः नहीं, 8 के अलावा... 8 जो हैं वो सज़ाएं नहीं खाते अष्ट देव। क्या? हर धर्म से चुनी हुई 8 आत्माएं हैं। हर धर्म में अच्छे बुरे होते हैं कि नहीं? (किसीने कहा - होते हैं।) अच्छे भी होते हैं, बुरे भी होते हैं। तो हर धर्म में से 8 बुजुर्गों को चुन लिया गया। उनको पूर्वज कह दो। क्या? हर धर्म के पहले से पहले जन्म लेने वाले। वो 8 आत्माएं हैं। सबसे ज्यादा समझदार दुनियाँ के जो भगवान बाप को पक्का पहचान लेती हैं और पहचान करके आदि से ले करके अंत तक सहयोगी बनती हैं। भले माया किसी को छोड़ती नहीं है। आखरी जनम में तो वो भी गिर जाते हैं। लेकिन फिर भी भगवान का जो पार्टधारी है, उस पात्र को सबसे जास्ती सहयोग कौन देते हैं? यही। यही 8 आत्माएं। तो 8 आत्माएं सज़ाएं नहीं खातीं। बिना सज़ाएं खाए स्वयं के बुद्धियोग की पावर से परमधाम जाती हैं बाप के साथ-साथ। बाकी जितने भी हैं वो कुछ न कुछ सज़ाएं जरूर खाते हैं और सज़ाएं खा करके ही परमधाम जाते हैं। माने आसानी से आत्माभिमानी बन जाएं सो नहीं होता।

Time: 51.35-53.55

**Student:** Baba, there is a question. Just now a question was asked that He (the Father) will slap and take everyone above (to the Soul World).

**Baba:** No, except the eight; the eight, the eight deities do not suffer punishments. What? There are eight souls which have been selected from every religion. Are there good and bad people in every religion or not? There are good ones as well as bad ones. So, eight elders were selected from every religion. Call them the ancestors (*puurvaj*). What? Those who are born first of all in every religion. They are the eight souls. They are the most intelligent [souls] in the world who firmly recognize God the Father. And after recognizing Him, they become his helpers from the beginning till the end. Although Maya does not leave anyone; even they experience downfall in the last birth. Still who renders the maximum help to the soul which plays the part of God? It is these, these very eight souls. So, eight souls do not suffer

Email id: <u>a1spiritual@sify.com</u>
Website: www.pbks.info

punishments. Without suffering punishments, they go with the Father to the Supreme Abode through the power of their intellect. All the remaining souls definitely suffer punishments to some extent or the other. And they go to the Supreme Abode only after suffering punishments. It means that they do not become soul conscious easily.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, 8 आत्माएं बिल्क्ल सज़ा नहीं खाती?

बाबाः नहीं।

दूसरा जिज्ञासुः वो 8 आत्माएं सिर्फ दक्षिण भारत से ही होता है क्या?

बाबाः हाँ। उनमें मोस्ट्ली जो हैं दक्षिण भारत से ज्यादा हैं।

जिज्ञासुः 8 में अभी दो का तो परिचय हुआ ना बाबा।

बाबाः दो का परिचय नहीं हुआ? दो का परिचय हुआ है। वो तो उत्तर भारत के हैं।

Another student: Baba, don't the eight souls suffer any punishment?

Baba: No.

**Another student:** Are those eight souls only from south India?

**Baba:** Yes. Most of them are from south India.

**Student:** Baba, we have come to know two out of the eight so far.

Baba: Don't you know the two? You have come to know of two. They belong to the north

India.

समयः 55.20-56.00

जिज्ञासुः बाबा, मुरली के प्वाइंट कभी-कभी नहीं समझ आता है।

बाबाः नहीं समझ में आता है तो पूछो।

जिज्ञासुः लेकिन दूसरे किसी को पूछने से वो अपने हिसाब से बता देगा।

बाबाः तो सीडियां तो बता रही हैं। आज नहीं समझ में आ रहा है। सीडी सुनते-सुनते, सीडियों में मिल जाएगा। अगर ज्यादा ही जल्दी सुनने की इच्छा है तो ईमेल भेज दो हेड आफिस में। आजकल तो ईमेल जल्दी पहुँच जाता है। तो हेड आफिस में ईमेल भेज दो कि इस बात का जवाब हमें नहीं मिल रहा है। नहीं तो बाबा का क्लास होता है बाबा से डायरेक्ट पूछ लो।

Time: 55.20-56.00

Student: Baba, sometimes we don't understand the points of murli.

**Baba:** If you don't understand, then ask [Baba].

**Student:** But if we ask anyone else, they explain [it] in their own way.

**Baba:** You are indeed receiving it (answers) through the CDs. If you do not understand it today, you will get [the answers] while listening to the CDs. If you wish to listen [to the answer] soon, then send an email to the head office. Nowadays the email reaches quickly. So, send an email to the head office that you are not getting a reply to this point. Otherwise, when Baba's class is organized ask Baba directly.

समयः 56.20-57.15

जिज्ञासुः बाबा, सेन्स आफ रेस्पान्सिबिलिटी लेते भी आदमी क्या करता है समाज में दूसरों को दबा देता है ऐसा क्यों?

बाबाः हमेशा थोड़े ही दबा देता है। देवताओं का समाज नहीं था? भारतवर्ष में क्या सारे ही परिवार एक जैसे थोड़े ही हैं। देवी-देवता सनातन धर्म प्रायःलोप होता है या पूरा लोप हो गया है? प्रायः माना बहुत करके लोप हो गया। कहीं न कहीं परिवार ऐसे हैं जिनमें देवता धर्म के लक्षण देखे जाते हैं। पांच उंगलियाँ एक जैसी सब जगह थोड़े ही हैं।

Time: 56.20-57.15

**Student:** Baba, despite feeling a sense of responsibility, people pressurize others in the society. Why is it so?

**Baba:** He doesn't pressurize others always. Was there not a society of deities? All the families in India are not alike. Does the Ancient Deity Religion almost disappear or does it disappear completely? 'Almost' means that most of it has disappeared. Somewhere or the other there are such families where signs of the Deity Religion are seen. All the five fingers are not alike everywhere.

## समयः 57.16-59.00

जिज्ञासुः कृष्ण को क्यों चन्द्रवंशी, राम को क्यों सूर्यवंशी बोला ऐसा मुरली में? देवता तो एक ही है।

बाबाः एक ही देवता है? राम कृष्ण की आत्माएं एक ही हैं? कृष्ण वाली आत्मा और राम वाली आत्मा एक ही है कि अलग-अलग आत्माएं हैं? कृष्ण की जो पूजा होती है वो बचपने की जयादा पूजा होती है या बड़े रूप की ज्यादा पूजा होती है? (जिज्ञासु - बचपने की।) इससे साबित नहीं होता है कि कृष्ण बच्चा है और राम बाप है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) भिक्तमार्ग की ही बातें ज्ञानमार्ग में चलती हैं। (जिज्ञासु - एक ही बात होता है।) एक बात कैसे हैं? वो बड़ा रूप दिखाया जाता है जो पूजा जाता है राम का। और कृष्ण का? छोटा रूप पूजा जाता है। इसका मतलब है कि वो बच्चा है और वो बाप है। वो मनुष्य सृष्टि का पिता है। वो मनुष्य सृष्टि का बच्चा है। पहला पत्ता है सृष्टि का। तो कितना भारी अंतर है। कहाँ बाप और कहाँ बच्चा। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हैं देवता दोनों। 16 कला सम्पूर्ण वो भी है। हाँ। कृष्ण बच्चा भी 16 कला सम्पूर्ण है। लेकिन जो 16 कला सम्पूर्ण बच्चा है वो किसका बच्चा है? भिक्तमार्ग में शंकर को पिता के रूप में भी तो दिखाते हैं। रचियता के रूप में भी तो दिखाते हैं।

## Time: 57.16-59.00

**Student:** Why is Krishna called *Candravanshi* and Ram called *Suryavanshi* in the murlis? The deity is just one.

**Baba:** Is it just one deity? Are the souls of Ram and Krishna one and the same? Are the souls of Krishna and Ram the same or are they different souls? Is Krishna's childhood form worshipped more or is his grown-up form worshipped more? (Student: the childhood form.)

Does it not prove that Krishna is a child and Ram is the father? (Student said something.) The topics of the path of *bhakti* themselves continue in the path of knowledge. (Student: it is one and the same.) How is it the same thing? Ram's form which is worshipped is shown to be a grown-up form. And what about Krishna? His childhood form is worshipped. It means that he is a child and he (Ram) is the father. He is the father of the human world. He (Krishna) is the child of the human world. He is the first leaf of the world. So, there is such a big difference. What a comparison between a father and a child! (Student said something.) Both are deities indeed. He is perfect in 16 celestial degrees too. Yes. The child Krishna is perfect in 16 celestial degrees? In the path of *bhakti*, Shankar is shown in the form of a father as well. He is also shown in the form of a creator.

## समयः 59.15-01.00.09

जिज्ञासः कृष्ण अष्टमी बोलते हैं, उसका बेहद में क्या है?

बाबाः कृष्ण अष्टमी इसलिए बोलते हैं कि कृष्ण जैसे 7 बच्चे पहले ही जन्म ले लेते हैं। क्या? बाद में 8वाँ नंबर कृष्ण का जन्म होता है। प्रत्यक्षता होती है कृष्ण की। इसलिए कृष्ण अष्टमी कहते हैं। बाकी 7 बच्चे, 7 नारायण और भी हैं जो सतयुग में जन्म लेते हैं। छुपा रुस्तम बाद में खुले। 7 नारायण हैं पहले प्रत्यक्ष हो जाते हैं। प्रत्यक्षता रूपी जन्म ले लेते हैं। पता लग जाता है कि ये 7 नारायण इन 7 धर्मों में कनेक्टेड हैं। अंत में जा करके कृष्ण की प्रत्यक्षता होती है।

Time: 59.15-01.00.09

Student: It is said Krishna ashtami, what does it mean in an unlimited sense?

**Baba:** It is said *Krishna ashtami* because seven Krishna like children are born beforehand. What? Later on the eighth number, i.e. Krishna is born. Krishna is revealed. This is why it is said *Krishna ashtami*. As for the rest there are other seven children, seven Narayans as well who are born in the Golden Age. The hidden *rustam* (hero) is revealed in the end. The seven Narayans are revealed first. Their revelation like birth takes place. People come to know that these seven Narayans are connected to these seven religions. Krishna is revealed in the end. (Concluded.)

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: <a href="mailto:a1spiritual@sify.com">a1spiritual@sify.com</a>
Website: <a href="mailto:www.pbks.info">www.pbks.info</a>